① विषय - पुराण

लैके क्षीरेस्नासुडजाईपदेप्ये जाज्ञालाक्ष्मी जटेते

... ...

वाङ्गेलजायो द्वेक्षंरेपृच्छता ।

पेज ४ = (२-५)

15.5 X 13 X 0.2 .cm

② चित्र = 1 ज्योतिष से सम्बन्धित पेज = 1

29 X 13.7 X 0.1 c.m.

शाकेंकद स्त्रेषुमही १५२८ विहीनेत्रिस्थे

सपादेदलितेच ... ...

द्वि द्वि द्वि द्वि द्वि भूमिर्वायु त्राखुदया क्रमा

-त पराहाति

③ पेज = 1 16 X 12.5 X 0.1 c.m.

चित्र = 1

अथवतोभद्रचक्रमाह ह्रकैंदीचीलिबालीनप: ...

... लिखकुर्वी: तोटास्वराषोडशाआकारादिस्वरात्

निखेते

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

लैके श्री रे सामुद्र जाइ पदेषे ॥ जाहां लक्ष्मी सहेते
नारायण जी है ॥ और सेसैना की आकापारी श्री नारा
यण जी पौढे हैं ॥ तहां श्री माहादेव गये ॥ तावे हे
कुतावदम नेकारे अस्तुतिकारी ॥ और हाथ के माह
दीने के वेण लागे ॥ तावे ईनेकी कुहार सौनेके ना
रायण जी प्रये ॥ तावे देष तु माहादेव सनेदेव
तासाते वैठे हैं ॥ श्री नारायण वाच ॥ कै तुमसमे दे
वाता कौ लोकाज है सो है ॥ और तुमकु कौने नै दुषी
दीनो है ॥ श्री माहादेव वाच ॥ केम्रहो गुसाई
तो मे तु जानेहो ॥ श्री हमसमे वेस तुम्हारी वाना हीवन है
ती येह समान ती पुकारेलागी ॥ सामें देवातानस हैं तेचन्द्र
पुरी नागेजाई बैसौ ॥ तावे ईनेको देषे के दैत्य हा

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

थे राले घारे यो॥ देवताने सोचु छ तेने लाग्यो
सो मा हृ म यने॥ कछु थ से ते मे यो दैत्य कु वाले ग्रे
सो चला लै सो ग्र वले ग्रे कु मे स वा धे ता है॥ त की
वृंद पा रे ने ता सा वेल पा रे छेला जी॥ सा मे दे वा ता
२ ग्र पे ने ग्र पने ठाये राले वारी वारी करे छेलागे॥
त वे दे दू स्त्री स ते वारे व रे युद्धे लैने लाग्यौ॥ ता
वे श्री ना रा येले सो द र्शी चक्र ते चाला यो॥ ता वे दै
त्यां पंच वारे के श्री पा रे ने से रे कु मार्यो॥ ता वे दे से
नूस ने दे व ता ने कु त्रा सा त्रे यो॥ वु टे श्री ना रा येले
मूरा से के रे सो द र्शी ने चा ते चाला यो॥ ता वे यों च
तो सा त्रे दे वा ताने दे वे ते डो दे ट पा यो॥ दैत्य
को कुं द चु टे ना लाजी॥ सा त्रे दे वे ता ग्र पे ने ग्र

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

वेने अ्रथे स्कतां कों ॥ से हे ना वे ॥ दइ हे जारे व 3
से यु धो मेथां ॥ तांवे रा हेगे बु[illegible] हे ते श्री पा
रे मेख रे जूकु अल्ला स्या मेयो ॥ ता वे श्री पा
रे मे स्व रे जूवि या रे के ॥ बाले के बाले मा स्त
ऐ के पा वि ते हैं ॥ तां की गु फे संगा वा ती ना
मु है ॥ ता हा पौ ठे कै वे स्त्रा मो का रे अे इ ॥ दे
त्या पा के ते स्त्र इ गे यो ॥ ता वे यु वे वे ता पी तं
वे रे बु ठ पौ ठे है ॥ ता वे स्त्री पा रे मे स्व रे के
है दे मे वा दा की दा डी ॥ श्री पा रे मे स्व रे जू स्त्र

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

पनेद्वदेते ॥ ऐकैकंन्या उपेद्रेशी ॥ तेहेकं
२ न्या वृंदातादैत्यमारे ॥ वीह्रष्णीपारेमे
सरे जूदैत्यक्रम्नकाणोलैसामेमारे ॥ वा
मुरैदैत्याश्रजो ॥ ताविश्नीपारेमेसरेजू
दैत्यानेकुगुरूजायेद्येसैपौ ॥ भैरुजाद्दालो
दैत्यासावापायाताद्दालोसबामारे ॥ भै
रुदेवातांनलुकेदेवातानेकुदीयो ॥ ता
तेवाकंन्यातुमेदेवातासेंनारा ॥

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

॥ ५

ती है॥ तुमा तुमा ता अइ सही मैं दे॥ तावे वेला
ले नै राजा कु चौ दौ॥ तावे राजा कौ अवा मैं ऐयो
ता वै ब्रत्य ले नै राजा कुं असी सादाई राजा ने वा
मैं चानी हु है॥ सादा पी ता से मेला कु रोले ता पुछी
ब्रत्यले पुछी॥ ई हे राजु तुमे क्या कारे पे यो॥ राजा
ने काही॥ कै अकपा हे कत कवी हे का देशी॥ अरु
अपनी सासो सारे की कुशले ता पुछी॥ अपनी
ई स्त्री की कुशले ता पुछी॥ तावे ब्रत्य ने नैत द्रा
मागी॥ तावे राजा काही के हमारी ई स्त्री सो का
ही यो॥ कै ई हा कु राजु हाम रुपया रे देने कु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

है ॥ जो दो चारे ग्यासो को फल दामै देउ ॥ तौ
दामे रूप जो वा दो ता दे ने हो ड़ी ॥ यां है दे
सो कह्यौ ॥ ब्रह्मण कूं ब्रह्म ते मे जे नेक रा ते ॥
४ औरु द्रेता नै वापारे सो नो चाल्यो ॥ ते ता
नै वाकूं देयो ॥ औरु वा हो ता ने ग औरु मुती
की मला [illegible] पेनी ड़ी स्त्री कूं दे ड़ी पाठी ॥ वा
ब्रह्मण को विदा करे दा ड़ी ॥ का दू देना
कैसे आपने घरे आयो ॥ ता वे राजा मु
वाकंकूं कही ॥ औरु व ॥ की ई स्त्री सो क
ही ॥

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

मैं ऊमती नै की मालादाड़ी ॥ तावेवा देता भ्रा
दमै यो ॥ भ्रै ऊ भ्राप ने सौ वदा भ्रागी ॥ तावे ब्र
ल्पले के सा थ डाई गेचाली ॥ भ्रपने पु र्षला
गी ॥ तावे मैला भ्रेमं दाचाला पावे तपे गये ॥
तावे वाम देवा सो मेरे माइ राजा की बेटी का
वेना पारी ॥ भ्रापेना साम्ने वे वा तारे कहो ॥ वाम
देवा जी भ्रसी सा देडी ॥ भ्रोर वा भ्रागारे की स
धा मैं ते वा ताई ॥ ब्रह्मले के साथे वा नाजे रेपा
तै भी ॥ तावे राजा की बिटी जाई के पांव ना बा
री ॥ वौं के पुरु षा सि है से ना है ठाई ॥ य ब्रह्म

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ले असी जाम घरे कै पतार रहती ॥ लोको वा
है ताआलो मान्यो ॥ वा ह्रै तो दाहेले देई ॥ वा
की विवाकारे दाई ॥ ता वै अत्यल्प असी जाम
घाटे कै प्रतर रहती ॥ सो फलो प्र पैनेपृथ्वी
लो दै यो ॥ सो वा [illegible] ते वाको घ वासमाने
१५ राजा ने यो अत्र ते कै पाताप्र प्रैसा है ॥ यो
कानी ई है काणा है का सोनै ते वै कुंलो केजे है
तै श्री पादे अपुराणे [illegible] दे [illegible] है
[illegible] श्री [illegible] वसभा दे [illegible]
या ॥ २३ ॥ वाहेर राजा यो देवे रेप्टकता

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्री मेंकंदलेग्रमती १५२८ विती नेत्रिह्येमपादे द्रुति
लै ब्रह्मा द्वि रवे ना० छुठे दें: कृतिभि: २० [illegible] क्रमेण ॥
उक्ते द्विन [illegible] क्रिय [illegible] क्रम: स्यात् ॥८ तौ ॥४॥ [illegible] ॥५७॥
रसा॥ [illegible] ॥२२॥ [illegible] ॥३०॥
दो ॥२॥ रवगुणाः॥३०॥ कृता ॥४॥२ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] नागवेदाः ४८
[illegible] ॥ [illegible] ॥१॥ [illegible] ॥२७॥ [illegible] ॥२॥२ [illegible] गुणाः ॥३०॥
वेदा ४ ॥ [illegible] ॥३॥ [illegible] ॥५॥ [illegible] ॥५२॥ [illegible]
का [illegible] दिना [illegible] ता: [illegible] बात् ॥ [illegible] नवाब्धि
ति [illegible] ने ॥ [illegible] भि:५२ [illegible] प्रेक [illegible]
[illegible] त [illegible] मे [illegible] दनाति [illegible] ॥ [illegible] वेदं ८ गाद
[illegible] दिन [illegible] ना [illegible] तास्यां दन्य [illegible] मे [illegible] द्वि [illegible]
[illegible] क्रमात् पराहृते ॥

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

[illegible]

मे	वृ	मि	क	सिं	क	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	रा°
०	२	६	३	८	२	४	६	१	३	४	५	दि°
०	५१	३२	२	३०	३१	५६	४८	१७	३६	३	५२	[illegible]
०	२	४	६	८	१०	११	१५	१९	१९	१९	२२	लि°

हिरदा के [illegible] हती [illegible] तौम [illegible] को धे हे ल
[illegible] मल प्र यथं मना हो ता [illegible] के न क ने न
घरसेत [illegible]
[illegible]

[illegible]

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

म॰ पसवेनो भद्र चक्रमाह ॥ पूर्वादि चौलि माली न पः
१-न ष १- गणितोलक द ० १ कोष्ठे ष्व पूर्णांकैस्तो
य १६ स्वरान्व-हुड्त इति दिग्ग त्रोषु भान्यंतस्त
तु ना २. वर्णान्सुरोत्तानवक हुड मुरवानंतरास्मा
द्व यादीन् खेटान् संबंधि वारे सह चलि खतिथी
न्मधूतेन नंद का दीन १६ इति पूर्वा प्र अ पुर्थ मे कदंबे
रूद अनुश्री क्रा ली लेख्याः नपनप गणिताः दश संख्याः
काः लिखेतिसंबंधः एवं प्रागुदीचा नंदसै खाना
मुत्पन्नेषु वंद कोष्टेषु एकादशा न कोणर भ्पव के
न्तकेडुतः न्तकान हत्वाङ्गानि इति चक्रे दिग्ग लौ
षु प्राच्यादि दिक्षांक्तिषु कोष्ठ वर्जे लिखकैः १
तेद्दु [illegible] लिखेत्

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ग्रु	क्लें	रा	मृ	श्री	७	घृ	क्षे	ग्रा
भ	७	ग्र	वृ	[illegible]	[illegible]	उ	ऊ	म
कृ	ल	ल्ट	र	मि	क	ल्ट	म	प्ट
रे	च	मे:	ठो	नंह्रा रंग	औं	सिं	ट	उ
उ	हुप फ्रा	मी	श्रिच्छ	फ्रों प्रा:	भ्रा वषु	कं	उप फट	ह
प	स	ॐ	स्त्रः	उपा ह	सं	तु	र	वि
शा	ग	ऐ	म	ध	ठ	ए	त	खा
ध	रू	तव	ज	मधु	य	न	रु	वि
ॐ	म्र	उमे	७	प	[illegible]	क्षि	ऽन	श्री

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA